

10 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने की रणनीति

चर्चा में क्यों?

14 अगस्त, 2022 को एमएसएमई के अपर मुख्य सचिव डॉ. नवनीत सहगल ने बताया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 10 खरब डॉलर करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिये सेक्टरवार रणनीति बनाकर काम करना शुरू कर दिया गया है।

प्रमुख बटु

- इसके तहत प्रदेश में आयात होने वाले 95 उत्पादों को चिह्नित किया गया है। इनका उत्पादन प्रदेश में ही करने की योजना बनाई गई है।
- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एमएसएमई विभाग को प्रदेश में आयात होने वाले उत्पादों को चिह्नित करने के निर्देश दिये थे।
- वित्त वर्ष 2021-22 में यूपी के ड्राई पोर्ट (रेल या सड़क परिवहन से बंदरगाह का जुड़ना) से 55 हजार करोड़ रुपए से अधिक के 95 उत्पाद आयात हुए हैं। इसमें 10 हजार करोड़ रुपए से लेकर सौ करोड़ रुपए तक के 48 उत्पादों का आयात किया गया है।
- प्रदेश में आयात होने वाले शीर्ष-10 उत्पादों में पहले स्थान पर इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स के 10,200 करोड़ रुपए के ट्रांसफार्मर, जेनरेटर, मक्सिस् ग्राइंडर, सेमी कंडक्टर चिप, प्रोसेसर और मेमोरीज आदि उत्पाद हैं। दूसरे स्थान पर 6592 करोड़ रुपए के मछली का तेल, कैंस्टर ऑयल, सोयाबीन का तेल व अन्य खाद्य तेल हैं।
- तीसरे स्थान पर 6315 करोड़ रुपए के न्यूक्लियर रिएक्टर, बॉयलर्स और बड़े प्लांट में उपयोग होने वाली मशीनरी, चौथे स्थान पर 4906 करोड़ रुपए के प्लास्टिक पैलेट्स और पाँचवें स्थान पर 2817 करोड़ रुपए के एल्यूमीनियम, आयरन, स्टील और कॉपर के उत्पाद हैं।
- छठे स्थान पर 1592 करोड़ रुपए के ऑर्गेनिक केमिकल्स, सातवें स्थान पर 1590 करोड़ रुपए के सर्जिकल उपकरण, आठवें स्थान पर 1515 करोड़ रुपए के सोने-चांदी के आभूषण व रत्न, नौवें स्थान पर 1207 करोड़ रुपए के पेपर बोर्ड, कार्ड बोर्ड, केमिकल के बने हार्ड बोर्ड और दसवें स्थान पर 1106 करोड़ रुपए के नकिलि व नकिलि स्क्रैप मेटल्स का आयात होता है।